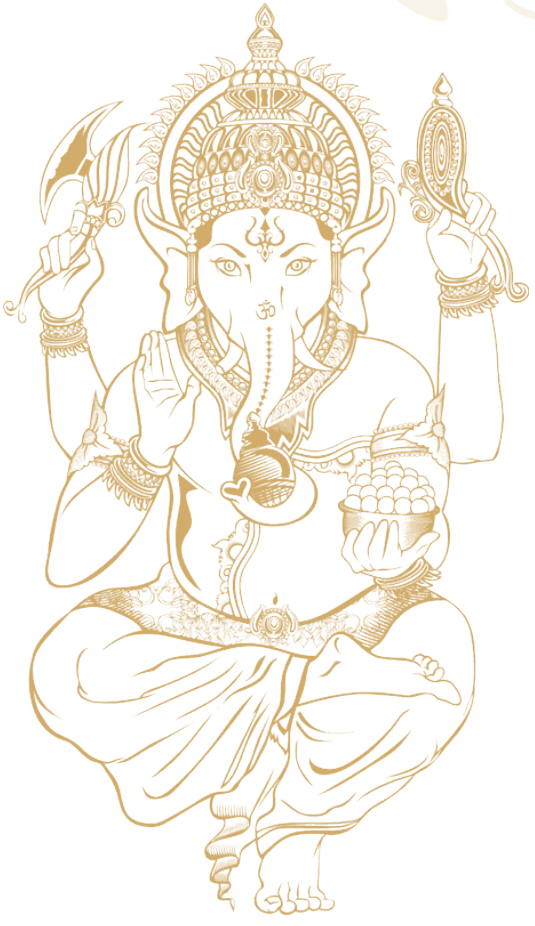

Maya Shankar

30 Oct 2021

06:20 AM

Patna

Model: web-freekundliweb

Order No: 121196415

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**30/10/2021**
दिन	शनिवार
जन्म समय	**06:20:00 घंटे**
इष्ट	00:59:04 घटी
स्थान	**Patna**
राज्य	Bihar
देश	India

अक्षांश	25:37:00 उत्तर
रेखांश	85:12:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:10:48 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	06:30:48 घंटे
वेलान्तर	00:16:23 घंटे
साम्पातिक काल	09:05:04 घंटे
सूर्योदय	05:56:22 घंटे
सूर्यास्त	17:09:14 घंटे
दिनमान	11:12:53 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	12:39:23 तुला
लग्न के अंश	17:03:16 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**कर्क - चन्द्र**
नक्षत्र-चरण	**आश्लेषा - 3**
नक्षत्र स्वामी	बुध
योग	शुक्ल
करण	गर
गण	राक्षस
योनि	मार्जार
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	श्वान
युँजा	मध्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	डे-डेविड
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृश्चिक

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	17:03:16	314:54:17	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	शुक्र	---
सूर्य			तुला	12:39:23	00:59:58	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	बुध	नीच राशि
चंद्र			कर्क	26:30:40	12:47:01	आश्लेषा	3	9	चंद्र	बुध	गुरु	स्वराशि
मंगल		अ	तुला	05:27:53	00:40:15	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	सूर्य	सम राशि
बुध			कन्या	25:25:02	01:23:08	चित्रा	1	14	बुध	मंगल	राहु	स्वराशि
गुरु			मक	28:24:17	00:02:21	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	शनि	नीच राशि
शुक्र			वृश्चि	29:35:31	00:59:47	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	शनि	सम राशि
शनि			मक	13:01:17	00:01:54	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	राहु	स्वराशि
राहु	व		वृष	07:50:22	00:01:44	कृतिका	4	3	शुक्र	सूर्य	शुक्र	मित्र राशि
केतु	व		वृश्चि	07:50:22	00:01:44	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	केतु	मित्र राशि
हर्ष	व		मेष	18:52:20	00:02:28	भरणी	2	2	मंगल	शुक्र	राहु	---
नेप	व		कुंभ	26:32:00	00:01:01	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	केतु	---
प्लूटो			मक	00:17:25	00:00:41	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	राहु	---
दशम भाव			कर्क	19:38:26	--	आश्लेषा	--	9	चंद्र	बुध	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:09:27

लग्न-चलित

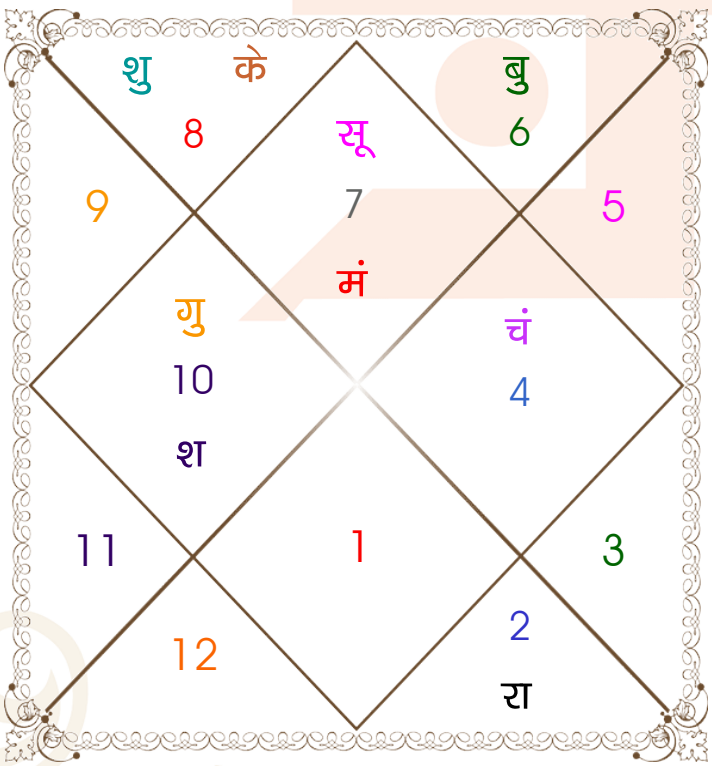

चन्द्र कुंडली

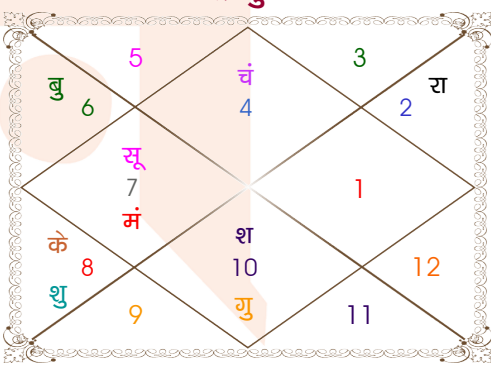

नवमांश कुंडली

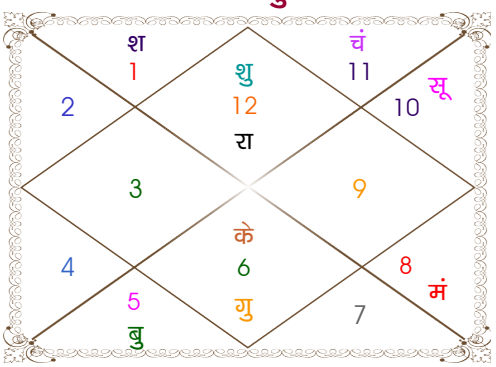

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : बुध 4 वर्ष 5 मास 11 दिन

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
30/10/2021		12/04/2026		11/04/2033		11/04/2053		12/04/2059	
12/04/2026		11/04/2033		11/04/2053		12/04/2059		11/04/2069	
	00/00/0000	केतु	08/09/2026	शुक्र	11/08/2036	सूर्य	30/07/2053	चंद्र	10/02/2060
	00/00/0000	शुक्र	08/11/2027	सूर्य	11/08/2037	चंद्र	28/01/2054	मंगल	10/09/2060
	00/00/0000	सूर्य	15/03/2028	चंद्र	12/04/2039	मंगल	05/06/2054	राहु	12/03/2062
	00/00/0000	चंद्र	14/10/2028	मंगल	11/06/2040	राहु	30/04/2055	गुरु	12/07/2063
	00/00/0000	मंगल	12/03/2029	राहु	12/06/2043	गुरु	16/02/2056	शनि	09/02/2065
	00/00/0000	राहु	30/03/2030	गुरु	10/02/2046	शनि	28/01/2057	बुध	12/07/2066
	30/10/2021	गुरु	06/03/2031	शनि	11/04/2049	बुध	05/12/2057	केतु	10/02/2067
गुरु	02/08/2023	शनि	14/04/2032	बुध	10/02/2052	केतु	12/04/2058	शुक्र	11/10/2068
शनि	12/04/2026	बुध	11/04/2033	केतु	11/04/2053	शुक्र	12/04/2059	सूर्य	11/04/2069

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
11/04/2069		11/04/2076		12/04/2094		13/04/2110		12/04/2129	
11/04/2076		12/04/2094		13/04/2110		12/04/2129		00/00/0000	
मंगल	07/09/2069	राहु	23/12/2078	गुरु	30/05/2096	शनि	15/04/2113	बुध	09/09/2131
राहु	26/09/2070	गुरु	18/05/2081	शनि	11/12/2098	बुध	24/12/2115	केतु	05/09/2132
गुरु	02/09/2071	शनि	24/03/2084	बुध	19/03/2101	केतु	01/02/2117	शुक्र	07/07/2135
शनि	11/10/2072	बुध	11/10/2086	केतु	23/02/2102	शुक्र	03/04/2120	सूर्य	12/05/2136
बुध	08/10/2073	केतु	30/10/2087	शुक्र	24/10/2104	सूर्य	16/03/2121	चंद्र	12/10/2137
केतु	06/03/2074	शुक्र	29/10/2090	सूर्य	12/08/2105	चंद्र	15/10/2122	मंगल	09/10/2138
शुक्र	06/05/2075	सूर्य	23/09/2091	चंद्र	12/12/2106	मंगल	24/11/2123	राहु	28/04/2141
सूर्य	11/09/2075	चंद्र	24/03/2093	मंगल	18/11/2107	राहु	30/09/2126	गुरु	31/10/2141
चंद्र	11/04/2076	मंगल	12/04/2094	राहु	13/04/2110	गुरु	12/04/2129		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल बुध 4 वर्ष 4 मा 23 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म स्वाती नक्षत्र के चतुर्थ चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। तुलालग्नोदय काल मेदिनीय क्षितिज पर मीन नवमांश के साथ-साथ कुंभ राशि का द्रेष्काण भी उदित था। आपके जन्म लग्नोदयादिक प्रभाव से यह दृश्य हो रहा है कि आप गपशप करने वाले होंगे। आपका जीवन आकर्षक परंतु आप दूसरों के साथ इर्ष्या रखने वाले होंगे।

आप अपनी आयु के 30 से 35 वें वर्ष के अंतराल में काफी धन संपति का अर्जन करेंगे तथा आपका जीवन आनंदपूर्वक व्यतीत होगा। आपका रूप आकर्षित होगा आप अपने प्रताप से बहुत धन का व्यय करेंगे तथा अपना सांसारिक जीवन किस प्रकार बिताया जाए। इस बात का अन्वेषण करेंगे। आप अपने फिजूल खर्ची पर नियंत्रण करेंगे तो अनुकूल रहेंगे। अन्यथा आपकी वृद्धावस्था अति सुखद ही नहीं होगी अपितु वह अवस्था निरस भी हो जाएगी।

आप धार्मिक भावना के प्राणी होंगे। आप अनेक तीर्थ स्थलों का भ्रमण कर सत्यकार्यों में दान प्रदान करेंगे। यह संभाव्य है कि आपमें अनेक गुण विद्यमान होंगे तथा आप विश्वसनीयता पूर्वक व्यवहार करेंगे। आप भगवान की कृपा से उत्तम संतान के पिता होंगे। वे अपना नाम एवं अपनी प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे।

आपकी अपनी जीवन संगिनी के रूप में उपयुक्त एवं आदर्श पत्नी प्राप्ति हेतु मिथुन अथवा कुंभ राशि की जातक का चयन करना उत्तम होगा। परंतु यदि आपकी पत्नी कर्क, मकर अथवा मीन राशीय समुदाय की हुई तो वह आपकी आवश्यकता अथवा अनुरूपता के योग्य नहीं होंगी।

परंतु यदि आपकी संगिनी आपको श्रेय नहीं प्रदान करे तो आपको हतोत्साह होने की आवश्यकता नहीं है। आप किसी भी तरह से अपनी पत्नी से विद्वेष नहीं करेंगे।

वास्तव में आप बहुतायत में अपने घरेलू वातावरण को अनुकूल करने के लिए तथा सुव्यवस्थित करने के लिए आपकी पत्नी बेशकीमती आभूषण एवं बहुमूल्य वस्त्रादि से युक्त अपने परिवार के जीवन यापन को प्रमुखता देगी। आप अपने भवन को अपने मित्र एवं सगे संबंधियों की दृष्टि में आकर्षक बनाएंगे। इसके बिना आप अपने रहन सहन को दुष्कर अनुभव करेंगे।

तुला प्रभावित जातक सामान्यतः स्वास्थ्य के दृष्टिकोण से उत्तम एवं उच्च स्तरीय आनंद से युक्त होता है। परंतु वह छुआछूत की बिमारी से वह अद्योगामी भी हो सकता है एवं आयुवृद्धि के कारण मूत्र संबंधी समस्याएं उत्पन्न हो सकती है। अस्तु आपको इसके विरूद्ध सुरक्षात्मक कदम उठाने चाहिए।

आप हर दशा में धन एवं सुंदर सुखद भवन से युक्त होंगे। आप समयानुकूल अपने कार्य कलाप का संपादन करे निश्चित समय पर भोजनादि कर सकते हैं बशर्ते कि आप निम्नांकित निर्देशन का अनुपालन कर सकें।

आपके लिए अनुकूल एवं उत्तम रंग लाल, नारंगी एवं सफेद रंग है। इसके अतिरिक्त आपको पीला एवं हरा रंगों का त्याग करना चाहिए।

आपके लिए अंको में 1, 2, 4 एवं 7 अंक अनुकूल है। इसके अतिरिक्त 3, 5, 6 एवं 9 अंक आपके लिए हानिकारक है।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।